

अनिरत हस्त लक्ष्मी अतिमाने व कौरवाः ।
अतिदाने वलतिवधः सर्वमन्वनाहितम् ।

PRASHAMAN

OUTCOME OF MEDICOZ CREATIVITY

Send your creativity to us
Drop Box near Reading Room Of
prashaman.bjmc@gmail.com
- Also available on
www.bjmc.org
http://goo.gl/zmyAAY

face 2 face

HATS OFF TO U DOC.

She has been the centre figure of all health programmes for pregnant and lactating mothers for so many years. Excellent teacher and clinician. Now she is retiring from her long and satisfying government service. Prashaman talks with Dr.Maliniben Desai,Professor & Head,Department of Obstetrics & Gynecology.

Prashaman : You have been in this profession for so many decades, do you have seen any change on the way society perceives doctors?
Dr.M.D. : Yes, I definitely see a change, but its different for the public and the private sector. Even today the patients coming to the general hospitals have great respect and special place for doctors in their hearts, rather we're thought of as God. The scenario may not be the same at private sector.
Prashaman : How do you see the future of OB-GYN with advancement of technology?
Dr.M.D. : There have been a lot of advancements in this field, due to modern technology resulting better mother and child survival and many of such other benefits. Also there has been emergence of super-speciality in OB-GYN, though they are still not popular in the public sector.
Prashaman : What was your most memorable experience during work at civil hospital?
Dr.M.D. : Almost everyday has been memorable for me, but I recall an incident, few years back when there were two cases of severe bleeding and I had to perform two hypogastric ligation back to back.
Prashaman : Being a teacher at heart what did you like most about teaching?
Dr.M.D. : The best thing I like about my teaching is the satisfaction which I see on face of my students.
Prashaman : If we compare the students in the past and now, what changes do you see in student-teacher relationship?
Dr.M.D. : There has been a lot of changes in the scenario of teacher and student relations. Due to increasing number of students and changing trend in education pattern, one to one relationship is not maintained.
Prashaman : Being a HOD, is a position full of responsibilities and difficult decisions, how do you manage such a tough job?
Dr.M.D. : To be concise, impartial decision and cool headedness is the best way to handle such a job.
Prashaman : Do you have any suggestion for strengthening education system in medical field particularly at BJMC?

Dr.M.D. : A little strictness and accountability at all levels be it administration, students and teachers.
Prashaman : You are member of advisory committee - Prashaman. What is your suggestion for improvement?
Dr.M.D. : Prashaman is a good attempt and I hope it continues with the same zeal for years. I would like to suggest a new column where the students can share their experiences of clinics.
Prashaman : What are your plans after retirement? Will you miss your routine? How do you feel about it?
Dr.M.D. : First, I would like to take a break for a few days and yes, I would definitely miss my routine, but I surely believe that everything has an end. I might continue with my profession but the modality might be different.
Prashaman : What is your message to students of BJMC?
Dr.M.D. : I believe the students of BJMC are people with high IQ levels. I hope they excel in their profession and spread the fame of their institute world over. Above all, I would like to advise them to be good human beings first.
Prashaman : Mom, We wish you happy and healthy retirement life.
Dr.M.D. : Thanks, God bless You.

मासमासून हीवा
"मने समजतु नशी के शाने आतुं साय छे,जेनी सुधुध मासताने येना ज कंडा वासी आय छे"
तबीबी व्यवसाय जेदले रोवा,महद करवा भुद भुदाये लीपिले "मानव अवनत" सेतु आसुने तमा डिवाकुने ही नी भाषामे लयी सकाय, परंतु आजला युगमे आ ज डालीकाले पीपी भनवलनर लीडी पडु भाषामे मीसा नी लावय मासताने क्यो पडोसाके येना. अनुभवले प्रव आ व्यवसायमे जावली सकाय छे, पाल करवाय छे छे. रोवामे चारे गुलाब भोले चारे तेनी सुधुधमे मासताने आतुं चारु सुधुध आवे" भावा गुलाब साय नीने पडु आ व्यवसाय मे जोडोवला छे जे जावली हुकु पडु हिलाको भोले छे, दृष्टीको मानना होय छे के "Doctors are very close to the GOD", पाल मारु मानवु येम छे के दृष्टीको ज्यारु येम मानुले छे "Doctors are very close to ME." तयारे आ सुडा कुवामे पावलीनी धार आवले, रोवामे गुलाब लीलेले.
मासडले सावरदर वलिगामे डो. दिवाकर दृष्टीकोनी सावरदरमा मासजुल हुका तयारे उष वर्धना वयोवृद्ध दृष्टी रोमेशभाई कडकडने तेमना परिवारकोनी बेलेशीनी कुलतममे लव्वा हुने. Dehydration को कारणे आतुं सरीरे लगभग डिस्कोय भनी गयेवु Energy ना नामे सरीरमे कडक हुने तौ बस पावली "धनकतुं ठेकव." उ पावला सुधुध तेम छता भास रिक्कीर जावा भजती ना हुती. रोमेशभाईनु वी पी. तथा पदम पाल धीरे धीरे घटता जतौ हुता.डो दिवाकरे आवी परिवारामे आ केस सखामे लयी हुने.
आ ज द-वानन येक घटना भनी जे शोर्ट पाल वरु च्याति माटे मरछ समान जवौ सकाय. डो दिवाकर ज्यारु तेमनी पाले नस्य आरा चकालवा सोजे भाटवली लयने आ-व्या तयारे तेमना परिवारमे येक पाल सव्वा च्या हुकर न हुता. डो दिवाकरने ययु के तेमो रोड क्रमयी हुकर गया हुने पाल जे सताकडी पाल वरु समय बयो, रोमेशभाई नी सासोमो मात्र तेमनो येक ज साथी हुने - "History Roper." रोमेशभाईने आनो भोलता डो दिवाकर सामे सेके पुननी नकरे जोता पुपुयु के "बेदा, मारो हीरोर अने वदु ब्या छे ?" ते वयते डो दिवाकरने ययु के "व्या ब्या करता तौ मासकसी बिदाशी ज सारी" डो दिवाकरे बहु भातिनी जवाब आपयो "हाहा, अमे प्रीमे तेमो क्यु अमा आवता बुझेर गया छे. प्रायोजक भातिनि तथा सासुरीके तपसके भोले ज्यारु के उमेरभाईने उजलाना तीपटे तथा जेवनी तीपटे तयारिने हुलतले पडती.उमेरभाईना भद-कडीले ते ज समय जेवना चकलत पाल रोड चकलत दृष्टी साथी अने उ लिगाममे गया हुता. रोडो पाल जेतना विलंब अने सोधेय वनार रोमेशभाईने उजलाना तीपटे डो दिवाकरे जोते कडको. तेमना माटे तौ येके येकरे मासकसी बुझिख पाल निभाली जेदते तौ दृष्टी माटे भगवान भनो. डो दिवाकरे डो दिवाकर भेले वयते तेमनी साथी सारी हुने तेमना परिवारनी मोट पूरी करी. रोमेशभाईनी तयितन ज्यारु सामुच यथ अने तयारे तेमने रजा आपवामो आवी च्याके तेमने डो दिवाकरने अयु "बेदा, हुने हुं मारु परे कडु डिशामे के दशामे ज्युश तेनी तौ मने भुकर नथी पाल ते डिशामे जो रुदयो छे ते जेतौ तौ आ समजकी दशा जरुर् भदवली छे. डो दिवाकर रोमेशभाई साथे कतपुन करी भने सेवेकसेय मुडी तेमने भोलेले ईंग्लैन्डनी होल अडेने दरावा आवी गी.
"Stetho"नी "patho"मे आरके पीनलाना beats पाल युंकाय जवाय छे, पाल नशीभेदार पु यारो के आवा सयरे माससाई पाल साद आवी भजत छे.
(अ-च घटना पर आधारित,पानो अलंकृत छे.)
-raahi

STEPS TO SAFETY

The Fire Service Week (FSW) is observed nation-wide under the guidance of the Fire Adviser, Ministry of Home Affairs, Govt. Of India during April 19 - 20. This is in remembrance of the lives lost in the devastating fire that erupted and the explosions that followed on 19th April, 1994 at the Victoria Dock in the Bombay Port Killing around 800 people.
On this note, let us get informed about some safety tips.....
The NFSC has identified some simple Fire prevention tips, which, if followed, Can prevent any disaster at places like OFFICES, homes and even school buses. They are-
ELECTRICITY SAFETY : Electricity wants to go to the ground. Sometimes it might try to go through you. So here are the safety tips.... Never touch any outdoor wires with your body or any other objects.Keep electrical appliances and toys away from water.Keep electrical appliances away from children.
FIRE SAFETY AT HOME : Always keep safe distance from electrical and fire creating equipments. Burning of waste material, grassland should be under proper supervision, away from residence. Turn off gas valve/regulator if leak is suspected,open all windows and doors to ventilate are
ALGORITHM FOR FIRE SAFETY- RACE
R- RESCUE
A- ALARM FOR EXIT
C- CALL 100
E- EXTINGUISHER.
Compiled by : Dhruvi Pandya (ITI M.B.B.S.)

MEDI-SKETCH
DR. DWANI DROLARIA
Mission-as-Hindustan के लिए पूरी लोकवादी को चाहिए हमें हिंसरदारी. देश को तिरफ कुछ कर सके तो सही सम्पूर्ण चुनने क्योकि एक एक वोट है तेरा भारी..
एक वोट है तेरा भारी |
Parth Tank 2nd 2nd

आ गया मोराम मलम रजामे का क्योकि आ गया है चुनाव...
खुरशी के महराजा वोट के मुझे सरदारी के भी सलमे लगे पाँव ।
क्या है 'कमल' क्या है 'आप' क्या है 'पंजा' यह हर कोई सुनाता है
क्या है गरीबी की गाँग, क्या है हिंदुस्तान की पहचान वह कौन बताता है
ओ ही घोरीपौटी बाटे वो ही पुराने वाद- अब नये दुर्घम बतलाते है
अपटवार, कीमती-कला धन, बस इसी को ये बदल बदल कर लाते है ।
इसका बस चले तो ये बेच दे हमारा हिंदुस्तान...
वो भारत,वो भुजि,जो है हमारी आन बान जोर शान ।
शोर इतना ये करते है जैसे कोई कराजित ये खाने वाले हो...
कोए भी ब्रम्हणे बन जाते है फिर मुँह ही क्यो न करते हो ।
विकास, जनकसयान, मनोरसकल- शिक्षा जैसे सबदो को भी ये भरमाते है.
देश की तिलिरी के घंटे विदेश में नहीं पर खुद अपने घर में ही तो रहते है ।
फिर लोग कहते है-"गंदा" ये ये राजकारण इसके पास तक मत जाओ..
"मुँह" ये ये लोग जो गंदा करते है..इन्हें खुरशी पर ही मत लाओ ।
आ गया मोराम सोच बदल ने का क्योकि आ गया है चुनाव..
तुम लडो तुम सोचो..बुझानी है या बचानी है हमें ससंद की नींव ।

CA. toon
तेरे इशक के नशे में डूबा रहता मैं अक्सर खुद से ये कहता हूँ..
प्यार तो तुझे सबच दिल से करता हूँ फिर भी क्यों ये कहने से डरता हूँ...
याद से तेरी ये पलकें ही जाली है भारी...
फिर भी क्यों तुझे ही याद करता हूँ...
अक्सर सपने में तेरे बहुत बातें करता हूँ..
फिर भी क्यों तेरे ही किरमल से मेरी तू तिलिरी पा महि...
फिर भी हर पल तुझे पाने की कसौटी बनी करता हूँ..
क्यों तुझे माराज नही देख सकता मैं..
इसलिए तू हर पल तुझे ही मनाया करता हूँ..
तेरे इशक में तो मुझे आँसू ही मिले है...
फिर भी क्यों तेरी ही एक मुस्कान पे मरता हूँ..
मेरे इशक को तो तुने एक ही बार में ठुकरा दिया...
फिर भी हर पल तेरा ही दुःख क्यों सहता हूँ..
तेरे इशक के नशे में डूबा रहता मैं ये सब कुछ करता हूँ..
क्योंकि मैं सिरफ और सिरफ तुझसे ही प्यार करता हूँ.....
Keval Patel (IIT)

CAMPUS LOVE

Table with 3 columns: No., Name of Faculty, and their respective achievements in various categories like Felicitations, Highest Attendance, and Students who got prize in Vibrant, Baroda 2014, etc.